सुरभिः

कक्षा – 7

सत्र 2024–25

DIKSHA एप कैसे डाउनलोड करें?

विकल्प 1 : अपने मोबाइल ब्राउज़र पर diksha.gov.in/app टाइप करें।

विकल्प 2 : Google Play Store में DIKSHA NCTE ढूंढ़े एवं डाउनलोड बटन पर tap करें।

DIKSHA

मोबाइल पर QR कोड का उपयोग कर डिजिटल विषय वस्तु कैसे प्राप्त करें ?

DIKSHA App को लॉच करे –> App की समस्त अनुमति को स्वीकार करें –> उपयोगकर्ता Profile का चयन करें।

पाठ्यपुस्तक में QR Code को Scan करने के लिए मोबाइल में QR Code tap करें।

मोबाईल को QR Code पर केन्द्रित करें।

सफल Scan के पश्चात् QR Code से लिंक की गई सूची उपलब्ध होगी।

डेस्कटॉप पर QR Code का उपयोग कर डिजिटल विषय–वस्तु तक कैसे पहुँचे ?

1 QR Code के नीचे 6 अंक का Alpha Numeric Code दिया गया है।

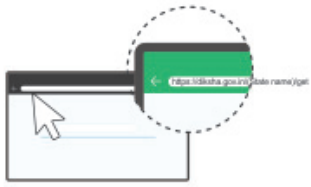

2 ब्राउज़र में diksha. gov.in/cg टाईप करें।

3 सर्च बार पर 6 डिजिट का QR CODE टाईप करें।

4 प्राप्त विषय–वस्तु की सूची से चाही गई विषय–वस्तु पर क्लिक करें।

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् छत्तीसगढ़, रायपुर

निःशुल्क वितरण हेतु

प्रकाशन वर्ष – 2024

राज्य–शैक्षिक–अनुसंधान और प्रशिक्षण–परिषद्
छत्तीसगढ़, रायपुर

–: मार्गदर्शन :–

Q7L1PK

1. डॉ. रमाकान्त अग्निहोत्री, प्राध्यापक
   भाषा विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली
2. डॉ. मनीषा पाठक, सेवा निवृत्त प्राचार्या
3. डॉ. तोयनिधि वैष्णव, प्राध्यापक शा.दू.श्री वैष्णव
   स्नातकोत्तर संस्कृत महाविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)

–: संयोजक :–

डॉ. विद्यावती चन्द्राकर

–: विषय समन्वयक एवं सम्पादक :–

श्री बी.पी. तिवारी, डॉ. विद्यावती चन्द्राकर

–: लेखक समूह :–

श्री बी.पी. तिवारी, श्री आर.पी. मिश्रा, श्रीमती श्वेता शर्मा, श्री रमेश कुमार पाण्डेय, डॉ. विद्यावती चन्द्राकर

–: चित्रांकन :–

राजेन्द्र सिंह ठाकुर, रेखराज चौरागड़े, समीर श्रीवास्तव

–: पृष्ठसज्जा :–

रेखराज चौरागड़े

–: आवरण पृष्ठ :–

श्रीमती मंजुषा बेडेकर

–: सहयोग :–

आसिफ, भिलाई

प्रकाशक

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् छत्तीसगढ़, रायपुर

मुद्रक

छत्तीसगढ़ पाठ्यपुस्तक निगम, रायपुर (छ.ग.)

मुद्रणालय

मुद्रित पुस्तकों की संख्या – .....

प्राक्कथन

शिक्षण में पाठ्यपुस्तकों की उपादेयता महत्वपूर्ण सहायक उपकरण के रूप में होती है। इसके माध्यम से छात्रों के व्यवहार में वाञ्छित परिवर्तन हेतु प्रयास किया जाता है, जिससे उन्हें नए ज्ञान एवं अनुभवों की सम्प्राप्ति सुगमतापूर्वक हो जाती है। संस्कृत विषय की नवीन पाठ्यपुस्तकों का सृजन छत्तीसगढ़ राज्य की आवश्यकताओं एवं अपेक्षाओं के अनुरूप किया गया है।

हमारी शिक्षा में संस्कृत का विशेष महत्व है। भारतीय संस्कृति के संरक्षण तथा हिन्दी भाषा और साहित्य के सम्यक ज्ञान के लिए सम्प्रति संस्कृत का ज्ञान परमावश्यक है। कक्षा सातवी में पठन–पाठन की व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए यह पाठ्यपुस्तक नवीन पाठ्यक्रम पर आधारित है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 के अनुरूप विद्यालयों के प्रत्येक स्तर पर न्यूनतम अधिगम–स्तर की प्राप्ति पर बल दिया गया है। पाठ्य–सामग्री का चयन छात्रों की मानसिक क्षमता व रुचि को ध्यान में रखकर किया गया है। संस्कृत–शिक्षण को अधिक सरल, सुबोध एवं व्यवहारपरक बनाने की दृष्टि से पाठ्य सामग्री का चयन सामान्य जनजीवन में क्रियाकलापों के आधार पर किया गया है। इस पाठ्यपुस्तक में निम्नलिखित बिन्दुओं पर विशेष बल दिया गया है –

1. पाठों की सरल भाषा व प्रस्तुतीकरण की रोचक विधि।
2. भाषाई कौशलों का विकास।
3. संवाद वाक्य एवं उसकी शब्दावली अगली कक्षाओं में छात्रों की समझ को पुष्ट बनाएगी।
4. पाठ्यपुस्तक छात्रों में अपने राष्ट्र एवं संस्कृति के प्रति समादर एवं भावनात्मक एकता उत्पन्न करने पर पुनर्बलन देगी।
5. आधुनिक वैज्ञानिक अविष्कार सङ्गणक (कम्प्यूटर), पर्यावरणगीत, छत्तीसगढ़ के पर्व, पौराणिक कथा, छत्तीसगढ़ की लोकभाषा, छत्तीसगढ़ के धार्मिक स्थल, गीताऽमृत, चाणक्य के वचन, ईदमहोत्सव, राष्ट्रीय पर्व, महापुरूषों की जीवनी, नीतिश्लोक, सूक्तियाँ आदि का समावेश इसमें प्रासंगिकता व नवीनता लाएगी।
6. प्रत्येक पाठ के अन्त में अभ्यास के प्रश्न दिए गए हैं। इस बात का ध्यान रखा गया है कि भावबोध एवं क्रियात्मक अभ्यास के प्रश्नों द्वारा पाठ में निहित मर्म, (अवधारणाएँ) भाषा–शैली

एवं शिक्षण–विधियों के विविध पक्ष ग्राह्य एवं अभिव्यक्ति क्षमता दे सकें। फलस्वरूप वे अपनी वर्तनी, उच्चारण, शब्द एवं वाक्य रचना संबंधी क्षमताओं एवं प्रवीणताओं में निखार ला सकें।

7. पाठ्यपुस्तक में छात्र–क्रियाकलाप (गतिविधियों) पर विशेष ध्यान (बल) दिया गया है।

8. पाठ्य सामग्री को रोचक बनाने हेतु आवश्यक चित्रों का भी यथास्थान समावेश किया गया है।

बच्चों के मन में संस्कृत भाषा के प्रति रुचि तथा सृजनात्मक अभिव्यक्ति क्षमता विकसित करने में शिक्षण विधा की महती भूमिका होती है। अतः कक्षाशिक्षण के समय पाठ्य सामग्री का रचनात्मक उपयोग परमावश्यक है। पाठ्यपुस्तक विकास की सहभागिता आधारित प्रक्रिया के अन्तर्गत विषय विशेषज्ञों के गहन विचारविमर्श के उपरान्त पाठ्यपुस्तक का विकास किया गया है। संस्कृत पाठ्यपुस्तक के उन सभी विशेषज्ञों के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ। जिनके ज्ञान, अनुभव और सतत् परिश्रम से इस पुस्तक को आकार मिला है।

स्कूल शिक्षा विभाग एवं राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, छ.ग. द्वारा शिक्षकों एवं विद्यार्थियों में दक्षता संवर्धन हेतु अतिरिक्त पाठ्य संसाधन उपलब्ध कराने की दृष्टि से Energized Text Books एक अभिनव प्रयास है, जिसे ऑन लाईन एवं ऑफ लाईन (डाउनलोड करने के उपरांत) उपयोग किया जा सकता है। ETBs का प्रमुख उद्देश्य पाठ्यवस्तु के अतिरिक्त ऑडियो–वीडियो, एनीमेशन फॉरमेट में अधिगम सामग्री, संबंधित अभ्यास, प्रश्न एवं शिक्षकों के लिए संदर्भ सामग्री प्रदान करना है।

संचालक

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्

छत्तीसगढ़, रायपुर

अनुक्रमणिका

क्रमांक	पाठ		पृष्ठ क्रमांक
	वन्दना		1
1.	प्रयाणगीतम्	गीतम् पाठः	2
2.	छत्तीसगढस्य पर्वाणि	गद्यम् पाठः	4
3.	सङ्गणकः	संवादः पाठः	7
4.	रायपुरनगरम्	गद्यम् पाठः	9
5.	चाणक्यवचनानि	पद्यम् पाठः	11
6.	ईदमहोत्सवः	संवादः पाठः	13
7.	गीताऽमृतम्	पद्यम् पाठः	15
8.	भोरमदेवः	गद्यम् पाठः	17
9.	आदर्शछात्रः	संवादः पाठः	19
10.	छत्तीसगढस्य–लोकभाषा	गद्यम् पाठः	21
11.	पितरं प्रति पत्रम्	गद्यम् पाठः	24
12.	संस्कृत भाषायाः महत्त्वम्	गद्यम् पाठः	25
13.	सत्सङ्गतिः	गद्यम् पाठः	27
14.	श्रवणकुमारस्य कथा	पौराणिककथा	29
15.	पर्यावरणम्	पर्यावरणम् पाठः	31
16.	नीतिनवनीतानि	पद्यम् पाठः	33
17.	महात्मागाँधी	गद्यम् पाठः	35
18.	होलिकोत्सवः	गद्यम् पाठः	37
19.	सूक्तयः		39
20.	परिशिष्टव्याकरणम्		41

सीखने के प्रतिफल

LS701

दैनिक जीवन में प्रयुक्त होने वाली सामग्रियों यन्त्रों के नाम को संस्कृत में व्यक्त कर सकते हैं –

LS702

काल रचना के अंतर्गत लट, लड्. एवं लृट्लकार के रूपों के प्रयोग कर सकते हैं।

LS703

पाठ्यवस्तु पर सामूहिक चर्चा कर एक दूसरे के विचारों का आदान-प्रदान कर सकते हैं।

LS704

अपनी भाषा के शब्दों को संस्कृत शब्दों में व्यक्त कर सकते हैं।
यथा – दैनिक उपयोगी वस्तुओं के नाम, पशु पक्षियों के नाम।

LS705

गद्य एवं पद्य पाठ को सही उच्चारण के साथ पढ-लिख सकते हैं।

LS706

संस्कृत में लिखित लेख, कहानी व श्लोको को शुद्धोच्चारण के साथ पढ़ते हैं।

LS707

सूक्तियों/शुभाषित श्लोकों को शुद्धोंच्चारण के साथ पढ़ते व निहित भाव को समझते हैं।

LS708

कथा यात्रा वृत्तान्त, मेला पर्यावरण से संबंधित पाठों के सारांश को अपने शब्दों में व्यक्त कर सकते हैं।

LS709

व्याकरणिक तत्त्वों का प्रयोग व्यावहारिक जीवन में कर पाते है।

LS710

पाठ्यपुस्तक में लिखित संवाद पाठ को पढ़कर आपस में छोटे-छोटे संवाद कर पाते है अथवा परिचय दे सकते हैं।

LS711

किसी पाठ्यवस्तु की बारिकी से जांच करते हुए उनमें दिए विशेष बिन्दु को खोजते हैं। अनुमान लगाते हैं, निष्कर्ष निकालते हैं।

LS712

विभिन्न विधाओं में लिखी गई साहित्यिक सामग्री को उपयुक्त उतार-चढ़ाव के साथ पढ़ लिख पाते हैं।

LS713

नए शब्दों के प्रति जिज्ञासा व्यक्त करते हैं और उसका अर्थ समझने के लिए शब्दकोश का प्रयोग करते हैं।

LS714

विभिन्न अवसरों पर कही जा रही बातों को अपने ढंग में लिखते हैं।

LS715

विभिन्न विषयों उद्देश्यों के लिए उचित व्याकरणिक तत्वों का उपयोग करते हैं।

LS716

कारक विभक्तियों का दैनिक जीवन में प्रयोग कर पाते हैं।

LS717

विभक्तियों/लकारो का उचित प्रयोग कर वाक्य बना पाते हैं।

विषय–सूची (Contents)

अध्याय	पाठ का नाम	LOs
1.	प्रयाणगीतम्	LS702,LS705,LS706,LS707,LS709,LS711,LS712, LS713,LS715,LS717
2.	छत्तीसगढ़स्य पर्वाणि	LS701,LS702,LS703,LS705,LS706,LS709,LS711, LS712,LS713,LS714,LS715,LS717
3.	संगणक	LS701,LS702,LS703,LS704,LS705,LS706,LS709, LS711,LS712,LS713,LS714,LS715,LS717
4.	रायपुरनगरम्	LS702,LS703,LS705,LS706,LS709,LS711,LS713, LS714,LS715,LS716
5.	चाणक्यवचनानि	LS702,LS703,LS705,LS706,LS707,LS711,LS712, LS713,LS714,LS715,LS716,LS717
6.	ईदमहोत्सवः	LS702,LS703,LS706,LS708,LS709,LS710,LS711, LS713,LS714,LS715,LS716,LS717
7.	गीताऽमृतम्	LS702,LS703,LS705,LS707,LS711,LS712,LS713, LS714
8.	भोरमदेवः	LS701,LS703,LS705,LS708,LS710,LS711,LS713
9.	आदर्शछात्रः	LS702,LS703,LS705,LS706,LS708,LS710,LS711, LS73,LS715
10.	छत्तीसगढ़स्य–लोकभाषा	LS703,LS705,LS708,LS709,LS711,LS712,LS713, LS716
11.	पितरं प्रति पत्रम्	LS702,LS703,LS705,LS706,LS709,LS710,LS713
12.	संस्कृत भाषायाः महत्तवम्	LS702,LS703,LS705,LS706,LS708,LS710,LS713, LS717
13.	सत्स्ंगतिः	LS702,LS703,LS705,LS708,LS709,LS711,LS713, LS714,LS716
14.	श्रवणकुमारस्य कथा	LS701,LS702,LS703,LS704,LS706,LS708,LS711, LS713,LS714,LS715
15.	पर्यावरणम्	LS703,LS705,LS706,LS708,LS709,LS711,LS713, LS714,LS717
16.	नीतिनवनीतानि	LS702,LS703,LS705,LS706,LS707,LS711,LS712, LS714,LS715
17.	महात्मागाँधी	LS702,LS703,LS705,LS706,LS708,LS711,LS713, LS717,LS717
18.	होलिकोत्सवः	LS701,LS702,LS703,LS706,LS708,LS711,LS713, LS714,LS716
19.	सूक्तयः	LS703,LS705,LS707,LS709,LS711,LS713,LS714

वन्दना

1. सर्वतीर्थमयी माता सर्वदेवमयः पिता।
   मातरं पितरं तस्मात् सर्वयत्नेन पूजयेत् ।।

2. ओङ्कारं बिन्दुसंयुक्तं नित्यं ध्यायन्ति योगिनः।
   कामदं मोक्षदं चैव ओङ्काराय नमो नमः ।।

3. वसुदेवसुतं देवं कंसचाणूर–मर्दनम्।
   देवकीपरमानन्दं कृष्णं वन्दे जगद् गुरुम्।।

4. गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णुः गुरुर्देवो महेश्वरः।
   गुरुः साक्षात् परब्रह्म तस्मै श्री गुरवे नमः।।

हिन्दी अर्थ

अर्थ– 1. सभी तीर्थों की तरह माता, सभी देवों की तरह पिता है। अतः माता तथा पिता की पूजा आत्मभाव से करनी चाहिए।

2. ओंकार शब्द बिन्दु युक्त है, जिसका योगी लोग सदा ही ध्यान करते हैं। ऐसी कामनाओं और मोक्ष प्रदान करने वाले ओंकार (ॐ) स्वरूप ईश्वर को बार–बार प्रणाम करता हूँ।

3. कंस और चाणूर पहलवान को मारने वाले, माता देवकी को परमानन्द देने वाले, वसुदेव के पुत्र श्रीकृष्ण भगवान् को प्रणाम करता हूँ।

4. गुरु ही ब्रह्मा है, गुरु ही विष्णु है, गुरु ही महादेव (शिव) है, गुरु साक्षात् परब्रह्म है ऐसे उस गुरु को मैं प्रणाम करता हूँ।